

72/2022

तारीख
वृत्त

हुक्म या कार्यवाही अथ इतिशियल्य जज

प्रकरण
की तारीख
हुक्म

05.10.23

पक्षकारान के अधिवक्ता उप./अनु/पीठासीन
अधिकारी दिगर प्रशासनिक कार्या में व्यस्त हैं
पत्रावली बास्ते श्रीप गवाहान लिस्ट आई.ई.
दिनांक 27.10.2023 को पेश है।

27/10/2023

पक्षकारान के अधिवक्ता उप./अनु/पीठासीन
अधिकारी दिगर प्रशासनिक कार्या में व्यस्त हैं
पत्रावली बास्ते दादीनी चक्रवापादा
दिनांक 08/11/2023 को पेश है।

08.12.2023

पक्षकारान के अधिवक्ता अनुपार-पत | अधिवक्ता संघ बालोतरा
के चुनाव होने के कारण कार्य स्थगन रखा गया है।
आज पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है। पत्रावली
बास्ते दादीनी पक्ष गवाहान दिनांक 11.01.2024 को पेश है।

11/01/24

पक्षकारान के अधिवक्ता उप./अनु/पीठासीन
अधिकारी दिगर प्रशासनिक कार्या में व्यस्त हैं
पत्रावली बास्ते दादी चक्रवापादा
दिनांक 13/3/2024 को पेश है।

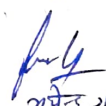
07/3/2024


पत्रावली दादीनी मद्र वकील के निवेदन
पर पेशी तारीख पर ली गई। वकील
पुर्रिवादी उपाध्यत। वकील दादीनी की
श्री. ल. प्रार्थना पर वालें - वा.उ. पत्रा-पत्रा-पत्रा-
पत्रा-पत्रा, पेश की गई, जो शपथ प्रिक्त हो
वकील दादीनी ने निवेदन किया कि पक्षकारान
के अध्यक्ष आपकी उपस्थिति व लोक शिवालय
की मरणा के प्रति शेष विवादित शपथ
के संबंध में वाचीनामा ले मद्र है।
शेष पक्षकारान को शपथ चलाने नहीं चाहते
हैं, वकील दादीनी अधिवक्ता में भी शपथ

वाप पत्र आगे चलाना
पेशी पत्रावली ही विज्ञान
किया जावे।


अ.प्र. तुलसीदास

Identity by me


अपेक्ष गजलेश
पक्ष


गोविन्दराव
7/3/24

सहायक क्लर्क
(S.D.O.) बालोतरा

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस हुक्म
की तामील में जारी हुए

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही अथ इतिशियत्य जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस हुक्म
की तामील में जारी हुए

संकेत में कोई कार्यवाही नहीं करेंगी। और
वादीनी का दावा जब वही विद्रोह स्वार्थिक
परमादा वगैरे। धर्मिक प्रतिवादी ने विवेक
की शक्ति पर सरकार के महत्त्व आपसी
सहायता के आधार पर वादीनामा होने के
कारण वादी स्वार्थिक विद्रोह का दावा है, तो
आपत्ति नहीं है।

इन्होंने अनुपपन्न अधीनस्थानों को खंडित
और उल्लूख प्रार्थना कर के पत्रावली का
अवलोकन किया। यदि वेंद्र वादीनी अपना
दावा-का श्रेणें यथांग नही चाहती हैं।
क्योंकि परकारान् के महत्त्व आपसी सहकारिता
के आधार पर वादीनामा हो गीया है जो
वेंद्र वादीनी द्वारा रचनीका किया गया है।
इस प्रकार दावा हेतु वेंद्र प्राप्त हो गया है।
अब प्रकृता को श्रेणें यथांग का औचित्य
प्रतीत नहीं होता है। केही वेंद्र में उल्लूख
प्रार्थना का रचनीका की प्रकार वादीनी
का दावा-का वगैरे विद्रोह स्वार्थिक इका
वेंद्र विल खंडित वाता है।

पत्रावली के माध्यम से
द्वारकाल प्रकृत वें।


सहायक जज
(S.D.O.) धारक